.. shrI yAdagiri laxmInRisi.nha ma NgaLAshAsanam ..

॥ श्री यादगिरि लक्ष्मीनृसिंह मङ्गळाशासनम् ॥

श्री यादगिरि शृंगाग्र गुहामध्य विहारिणे
सर्वलोकेश्वरायास्तु श्री नृसिम्हाय मङ्गळम् ॥ १ ॥
वामाङ्क विलसल्लक्ष्मीबन्धवे लोकबंधवे
सूरिभोग्याय यादाद्रि श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ २ ॥
शङ्ख चक्र प्रभामध्य राजद्विमलमूर्तये
श्री यादगिरिवासाय श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ ३ ॥
गुहानिवसनात्सर्व हृद्गुहावास सूचनम्
कुर्वते सर्वलोकानाम् यादाद्रीशाय मङ्गळम् ॥ ४ ॥
नित्याय निरवद्याय नित्यवैभवशालिने
नित्यवैभव दात्रेच श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ ५ ॥
साधुलोक शरण्याय कामितार्त प्रदायिने
आर्तार्ति हरणायास्तु श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ ६ ॥
भुक्तिमुक्ति प्रदात्रेच शक्ति भक्ति प्रदायिने
निर्वाण सुखरूपाय श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ ७ ॥
जगत्कर्त्रे जगत्भोक्ते जगद्रूपाय वेदसे
जगताम्च निवासाय यादाद्रीशाय मङ्गळम् ॥ ८ ॥
अनेक कोटि ब्रह्माण्डै ग: कंदुका क्रीडलीलया
केळीविलासलोलाय श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ ९ ॥
सुरासुर नरानाम् च वानरानाम् च पक्षिनाम्
दीनानाम् रक्षकायास्तु श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ १० ॥
दुश्टानाम् निग्रहम् चैव् शिष्टानाम् परिपालनम्
युगपत् कुर्वते लक्ष्मीनरसिंहाय मङ्गळम् ॥ ११ ॥
प्रपञ्च वृक्षबीजाय निष्प्रपञ्चाय मायिने
मायापनोदकायास्तु श्री नृसिंहाय मङ्गळम् ॥ १२ ॥
संतान दान दीक्षाय संतानाय फलार्तिनाम्
कौसल्या मुख्य संतानरूपिणे शुभमङ्गळम् ॥ १३ ॥
मङ्गळम् नरसिंहाय मङ्गळम् गुणसिंधवे
मङ्गळानाम् निवासाय यादाद्रीशाय मङ्गळम् ॥ १४ ॥
॥ इति श्री वांगीपुरम् नरसिंहाचार्य विरचितं
श्री यादगिरि लक्ष्मीनृसिंह मङ्गळाशासनम् समाप्तम् ॥

Encoded and proofread by Venkata N Vangeepuram
vangeepuram@rediffmail.com

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com
Last updated December 16, 2004